

M.A. / IV Sem.

A

BUDDHIST STUDIES— Paper BS-401 (F)

(Tibetan Buddhist Philosophy and Logic)

(Admissions of 2009 and onwards)

Time : 3 hours

Maximum Marks : 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt all five questions. All questions carry equal marks.

सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Translate any two of the following verses into Hindi or English:

निम्नलिखित पद्यों में से किन्हीं दो का हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए:

१) རྗེ་ལྷ་མོ་འཇུག་པའི་མཚན་མོ་སྤྱོད་པའི་སྐབས་ལ། འཇུག་པའི་ལྷ་མོ་འཇུག་པའི་མཚན་མོ།

ཡིད་གསལ་མིན་ཏེ་འདི་ལྷ་མོར། དེ་ཡོད་ལྷ་མོ་བཞུགས་དེས་མི་ལྷོད།

२) བདག་ལས་མ་ཡིན་གཞན་ལས་མིན། གཞིས་ལས་མ་ཡིན་རྗེས་མིན།

དངོས་པོ་གང་དག་གང་མ་ཡང་། ལྷེ་བཀམ་ཡང་ཡོད་མ་ཡིན།

३) གཞན་མ་ལས་ཀྱི་བག་ཆགས་ལ། འབྲས་བུ་དག་ནི་གཞན་དུ་རྫོགས།

མང་མ་བག་ཆགས་ཡོད་པ་དེར། ཅི་ཡི་ཕྱིར་མ་འདོད་མི་བྱ།

2. Write a detail account on the date and authorship of:

ऊँद म' रीग' प' ल' अहृग' चरी' ऊँग' लेदुर' पुस' य' ॥

ऊँद म' रीग' प' ल' अहृग' चरी' ऊँग' लेदुर' पुस' य' के काल एव कृतित्व पर एक विस्तृत विवरण लिखिए।

Or (अथवा)

Who is *Śālistambasūtra*? What are his contributions to the Buddhist Logic? Discuss.

शैलम्बर सुत्रम् ?

शैलम्बर सुत्रम् कीजिए।

कौन है? बौद्ध न्याय के प्रति उनका क्या योगदान है? चर्चा

3. Write an account on the salient features of

कैशुप' रीग' लेदुर' पुस' य' ॥

कैशुप' रीग' लेदुर' पुस' य' की विशिष्टताओं पर एक लेख लिखिए।

Or (अथवा)

Write a critical account on the Dialectical method of Nāgārjuna?

नागार्जुन की तर्क शैली पर एक आलोचनात्मक विवरण लिखिए।

4. Critically evaluate the thematic content of

द्वय' म' कु' वरी' ऊँग' लेदुर' पुस' य' ॥

द्वय' म' कु' वरी' ऊँग' लेदुर' पुस' य' के कथनांक विषयवस्तु का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

Or (अथवा)

What do you understand by the concept of *Mādhyamika* philosophy? What place does it hold in *Mahāyāna* Buddhism?

माध्यमिक दर्शन की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? इसका महायान बौद्ध धर्म में क्या स्थान है?

5. What do you understand by

ऊँद म' अर' ल' ग' ग' य' म' ? Evaluate with suitable example.

ऊँद म' अर' ल' ग' ग' य' म' से क्या तात्पर्य है? उपयुक्त उदाहरण सहित मूल्यांकन कीजिए।

Or (अथवा)

Explain and discuss the following verse:

निम्नलिखित पदांश की व्याख्या सहित चर्चा कीजिए:

ग' ल' न्ने हू' म' री' ग' द' र' क' र' क' । य' ल' द' द' द' उ' स' ल' द' स' र' के' ठे' ॥

स' र' क' र' क' द' स' र' के' म' य' क' ल' ग' व' पु' स' य' र' द' र' र' र' र' ग' स' र' ग' र' ॥